CW

10.05.21

ताई

मौखिक

• कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए -

(क) मनोहर की बहन का क्या नाम था ?
(उ) मनोहर की बहन का नाम चुन्नी था।

(ख) रामेश्वरी को कौन-सा सौभाग्य प्राप्त नहीं हुआ था ?
उ- रामेश्वरी को संतान प्राप्त का सौभाग्य प्राप्त नहीं हुआ था।

(ग) रामजीदास के छोटे भाई का नाम क्या था ?
उ- रामजीदास के छोटे भाई का नाम कृष्णदास था।

(घ) मनोहर ने ताई को क्या मँगवाकर देने के लिए कहा ?
उ- मनोहर ने ताई को पतंग मँगवाकर देने के लिए कहा।

(ङ) छत से गिरने पर मनोहर को कहाँ चोट लगी ?
उ- छत से गिरने पर मनोहर की टांग मे चोट लगी।

लिखित

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

(क) बाबू रामजीदास धनी आदमी थे।

(ख) शास्त्र में लिखा है कि जिसके पुत्र नहीं होता, उसकी मुक्ति नहीं होती।

(ग) एक दिन रामेश्वरी छत पर टहल रही थी।

(घ) एक सप्ताह बाद रामेश्वरी का ज्वर कम हुआ?

2. किसने, किससे कहा?

(क) "ताऊ जी, हमें लेलगाड़ी ला दोगे?" मनोहर ने रामजीदास से

(ख) "ताई को नहीं ले जाएँगे।" मनोहर ने रामजीदास से

(ग) "इसे खोपड़ी पर लगाना कहते हैं" रामजीदास ने रामेश्वरी से

(घ) "उसे मेरे पास लाओ।" रामेश्वरी ने रामजीदास से

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) ताई से मनोहर नफ़रत करता था। इसका क्या कारण था?

(उ) ताई से मनोहर नफ़रत करता था। इसका निम्नलिखित कारण है :-

(i) मनोहर अभी बच्चा था। उसमें समझ की कमी थी।

Date
Page

(ii) ताई का व्यवहार मनोहर के प्रति अच्छा नही था।
(iii) मनोहर को ताई ने अपनी गोद से ढकेल दिया था।
(iv) रामेश्वरी के अपनी कोई संतान नहीं थी। रामजीदास मनोहर को बहुत प्यार करते थे। इस कारण भी ताई संतुष्ट नहीं रहती थी।

(ख) ताई का हृदय परिवर्तन कैसे हुआ ?

उ- ताई हमेशा मनोहर तथा रामजीदास पर क्रोधित होती रहती थी। वह किसी भी दशा में मनोहर को प्यार नहीं देना चाहती थी परन्तु कहा जाता है कि समय सब कुछ बदल देता है। ऐसा ही एक दिन हुआ। जब मनोहर का पैर मुंडेर से फिसल गया। उसकी आवाज को सुनकर तथा उसे गिरते हुए देखकर ताई रामेश्वरी के मुख से चीख निकल पड़ी। मनोहर के नीचे गिर जाने के कारण उसकी टाँग की हड्डी उखड़ गई थी। इस घटना के बाद ताई का हृदय परिवर्तन हो गया।

(ग) रामेश्वरी बेहोशी की हालत में प्रलाप क्यों करती है ?

उ- रामेश्वरी बेहोशी की हालत में प्रलाप करती थी क्योंकि जब मनोहर छज्जे से नीचे गिर पड़ा, यह देखकर रामेश्वरी चीख मारकर छज्जे से गिर पड़ी। रामेश्वरी एक सप्ताह तक बेहोश पड़ी थी। कभी-कभी बड़े जोर से चिल्ला उठती उसे इस बात का झटका लगा था कि शायद वह मनोहर को गिरने से बचा सकती थी और बचाने में देर कर दी इसी प्रकार के प्रलाप वे किया करती।

Date
Page

४. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

(क) रामजीदास रामेश्वरी को मनोहर से प्रेम करने के लिए क्यों कहती थी? रामेश्वरी मनोहर से घृणा क्यों करती थी?

उ- रामजीदास रामेश्वरी को मनोहर से प्रेम करने के लिए इसलिए कहती थी कि वे स्वंय भी मनोहर को बहुत प्यार करते थे। वे नहीं चाहती थी कि मनोहर को किसी प्रकार का कोई कष्ट हो। रामेश्वरी मनोहर से इसलिए घृणा करती थी क्योंकि मनोहर रामेश्वरी का अपना बेटा नही था।

(ख) रामेश्वरी को जब भी अवसर मिलता तो वह मनोहर पर किस प्रकार अपना क्रोध प्रकट करती? एक उदाहरण दीजिए?

उ- रामेश्वरी को जब भी अवसर मिलता तो वह मनोहर पर अपना क्रोध प्रकट करती जैसे- रेलगाडी के माँगने पर ताऊजी ने कहा - ला देंगे। जब रामजीदास ने मनोहर से रेलगाडी मे किस-किस को बिठाने की बात पूछी, तब मनोहर ने ताई जी के लिए न में उत्तर दिया। रामजीदास मनोहर को उनकी गोद में बिठाने की चेष्टा की तो रामेश्वरी ने उसे अपनी गोद से धकेल दिया

Date
Page

भाषा - ज्ञान

निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

(क) भौंहें तानना - क्रोध करना / नाराज होना

→ वह स्वभाव से ही क्रोधी है, छोटी - छोटी बातों पर भी भौंहें तान लेता है।

(ख) गिरगिट की तरह रंग बदलना - सिद्धांतहीन होना / अवसरवादी होना

→ रानी का विश्वास मत करना, वह तो गिरगिट की तरह रंग बदलती है।

(ग) मुँह ताकना - दूसरों पर निर्भर करना।

→ जो कर्मशील होते हैं, वे किसी का मुँह नहीं ताकते।

(घ) सोच में घुला करना - चिंता करना / चिंतित रहना

→ जो हमारे वश में नहीं, उसके लिए सोच में घुला करना व्यर्थ है।

(ङ.) हृदय से लगाना - अपने दिल से जोड़ना

→ काफी समय बाद मिलने पर बूढ़ी माँ ने अपने बेटे को हृदय से लगा लिया।